

**भवभार** पुं. (तत्.) 1. संसार का भार 2. संसार रूपी भार।

**भवांभोधि** पुं. (तत्.) संसार रूपी सागर, भव समुद्र।

**भवानी स्त्री.** (तत्.) महादेव की पत्नी, गौरी, पार्वती।

**भवानीकांत** पुं. (तत्.) भवानी का पति, गौरी पति, महादेव, शिव।

**भवानी नंदन** पुं. (तत्.) 1. भवानी का पुत्र, गौरीसुत 2. कार्तिकेय 3. गणेश।

**भवाब्धि** पुं. (तत्.) दे. भवांभोधि।

**भवार्णव** पुं. (तत्.) संसार समुद्र।

**भवि वि.** (तद्.) 1. रम्य 2. भव्य।

**भवित वि.** (तद्.) भणित, जो कहा गया हो, बोला गया, बोली गई बात।

**भविष्यवाणी स्त्री.** (तत्.) आगे होने वाली बात के विषय में वाणी, भविष्य वचन।

**भवेश** पुं. (तत्.) जगत का ईश्वर, जगदीश, विश्वनाथ, महादेव।

**भव्य वि.** (तत्.) 1. अत्यंत सुंदर, उत्तम, अच्छा 2. आगे होने वाला, भावी समय 3. परिणति।

**भव्यता स्त्री.** (तत्.) सुंदरता और प्रभावपूर्णता, अच्छाई, गुरुता।

**भसना अ.क्रि.** (तद्.) 1. मज्जन करना, डूबना 2. तैरना।

**भसमा** पुं. (तद्.) राख, भस्म, क्षार।

**भसान** पुं. (देश.) देवी की मूर्ति को नदी या जल प्रवाह में प्रवाहित करने की क्रिया टि. प्रायः काली सरस्वती आदि की पूजा महोत्सव में अंतिम दिन मिट्टी की प्रतिमा को जल में प्रवाहित करने की परंपरा है।

**भसाना स.क्रि.** (देश.) 1. देवमूर्ति या अन्य किसी वस्तु को पानी में प्रवाहित करना 2. पानी में तैराना।

**भस्त्रा स्त्री.** (तत्.) 1. भस्त्रिका, भट्टी में आग को प्रज्वलित करने के लिए प्रयुक्त धौंकनी, भस्त्री

2. चमड़े का बना बड़ा थैला जिसमें पानी भरकर छिड़काव किया जाता है।

**भस्म वि.** (तत्.) 1. लकड़ी, कोयला, कागज, कपड़ा आदि के जल जाने पर बची राख, क्षार 2. चिता दग्ध हो जाने पर बची राख 3. हवन कुंड में यज्ञ की बची राख 4. आयुर्वेद में द्रव्यों की बनी भस्म जो विभिन्न रोगों की औषधि है मुहा. भस्म होना- जलकर नष्ट हो जाना।

**भस्मक** पुं. (तत्.) 1. राख, क्षार, सोना, चांदी 2. एक प्रकार का रोग जिसमें खाई हुई वस्तु जल्दी पच जाती है और व्यक्ति को भूख लगने लगती है वि. जलाकर भस्म कर देने वाला।

**भस्मकारी वि.** (तत्.) भस्म कर देने वाला।

**भस्मकूट** पुं. (तत्.) भस्म का ढेर, राख की राशि।

**भस्मगात्र** पुं. (तत्.) जिसका शरीर भस्म कर दिया गया हो, कामदेव।

**भस्मपात्र** पुं. (तत्.) जले शव की राख को रखने के लिए पात्र, भस्म-कलश।

**भस्म प्रिय** पुं. (तत्.) जिसको भस्म लगाना प्रिय हो, महादेव, शिव।

**भस्मलेपन** पुं. (तत्.) शरीर में राख लेपना, भस्म पूरे शरीर में लगाना, महादेव वि. भस्म में सोने वाला।

**भस्मसात् वि.** (तत्.) पूरी तरह राख हो गई वस्तु, भस्मरूप।

**भस्मस्नान** पुं. (तत्.) पूरे शरीर में भस्म लगाना।

**भस्मावशेष** पुं. (तत्.) जलने के बाद जिसका केवल भस्म ही बचा हो, ज्वलितशेष, दग्धान।

**भस्मासुर** पुं. (तत्.) महादेव से वरदान पाकर विशेष शक्ति पाया एक राक्षस, जिसने शिव को ही समाप्त करना चाहा।

**भस्मित वि.** (तत्.) जिसे जलाकर भस्म कर दिया गया हो, जो जल गया हो।

**भस्मी स्त्री.** (तत्.) चिता दग्ध होने के बाद बची राख या भस्म।